

अंगूर उत्पादन हेतु मासिक कार्य योजना



जनवरी

हम अंगूर निर्णय समर्थन प्रणाली-डीएसएस का अनुसरण करेंगे ताकि कीट और अजैविक तनावका प्रबंधन किया जा सके।



जुलाई

हम समय से शूट टोपिंग करेंगे तथा मानसून के दौरान डाउनी मिलड्यू व एन्थ्रेक्नोज की नज़दीक से निगरानी करेंगे।



फरवरी

मांजरी वाइनगार्ड तथा मांजरी ट्राइकोशक्ति का अनुप्रयोग करके हम गुणवत्ता और उपज बढ़ाने पर ध्यान देंगे।



अगस्त

हम अंगूर के बगीचों में समुचित खरपतवार प्रबंधन करेंगे।



मार्च

हम सही परिपक्वता पर अंगूरों की तुड़ाई करेंगे तथा मूल्य संवर्धित उत्पादों के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ पर ध्यान देंगे।



सितंबर

हम प्रभावी पोषण प्रबंधन हेतु पर्णवृन्त पोषकतत्व विश्लेषण करेंगे।



अप्रैल

समय पर छंटाई तथा केन विकास के माध्यम से हम आने वाले मौसम के लिए लताओं को तैयार करेंगे।



अक्टूबर

हम समय पर फलत छंटाई सुनिश्चित करेंगे एवं समान पुष्पन व फलत हेतु पीजीआर का अनुप्रयोग करेंगे।



मई

हम विकास के लिए 7+5+3 नियम का पालन करके सब केन का विकास करेंगे एवं केन के उचित विकास हेतु फर्टिगेशन द्वारा लताओं को पोषण देंगे।



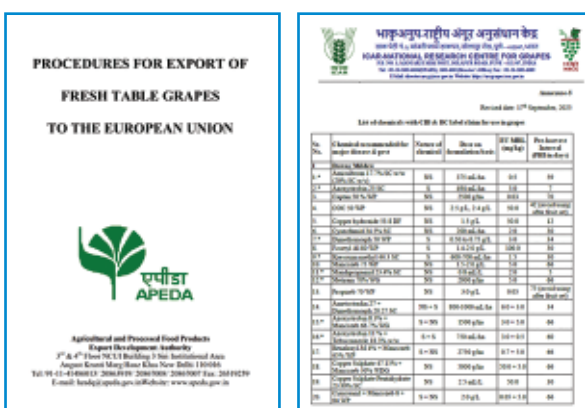
नवंबर

हम फसल वृद्धि चरण के आधार पर पीजीआर का प्रयोग करेंगे।



जून

हम अवशेष निगरानी कार्यक्रम का पालन करेंगे ताकि निर्यात अंगूर उत्पादन सुनिश्चित हो सके।



दिसंबर

हम ताजे अंगूर की लोकप्रिय किस्मों को बढ़ावा देंगे।

